प्रेस नोट – वामा सारथी 04/2026
दिनांक- 22.11.2026

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश।

वामा सारथी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 'वामा खेलोत्सव-2026' का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

- **दो दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 'वामा खेलोत्सव-2026' का आज दिनांक 22 नवम्बर 2026 को 35वीं वाहिनी पीएसी, महानगर, लखनऊ में भव्य समापन**
- **प्रदेश के विभिन्न जनपदों से चयनित 433 बालक एवं बालिकाओं ने एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाओं में किया प्रतिभाग, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित।**
- **35वीं वाहिनी पीएसी के 15 वर्षीय सुयश पंकज ने 100 मीटर दौड़ मात्र 11.32 सेकंड में पूरी कर 'फास्टेस्ट रनर' का खिताब किया अपने नाम।**
- **पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 ने बच्चों को बड़े सपने देखने, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के साथ लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किया प्रेरित।**
- **पुलिस परिवार के प्रतिभावान बच्चों के लिए बेहतर प्रशिक्षण एवं कोचिंग की व्यवस्था हेतु शीघ्र ही विशेष योजना तैयार की जाएगी।**

वामा खेलोत्सव का शुभारंभ दिनांक 21 नवम्बर 2026 को श्रीमती मीनाक्षी सिंह, अध्यक्षा वामा सारथी द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन (वामा सारथी) द्वारा पुलिस परिवार के बच्चों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 'वामा खेलोत्सव-2026' का आज दिनांक 22 नवम्बर 2026 को 35वीं वाहिनी पीएसी, महानगर, लखनऊ में भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश श्री राजीव कृष्णा रहे।

दिनांक 21 एवं 22 नवम्बर 2026 को आयोजित इस खेलोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से चयनित कुल 433 बालक एवं बालिकाओं (313 बालक एवं 120 बालिकाएँ) ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में ऊँची कूद, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर एवं 800 मीटर दौड़ तथा 4×50 मीटर, 4×100 मीटर एवं 4×200 मीटर रिले दौड़ प्रमुख स्पर्धाएँ रहीं, जिनमें विभिन्न आयु वर्गों के बालक एवं बालिकाओं ने अपनी खेल प्रतिभा, क्षमता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

वामा खेलोत्सव का शुभारंभ दिनांक 21 नवम्बर 2026 को श्रीमती मीनाक्षी सिंह, अध्यक्षा वामा सारथी द्वारा किया गया।

अध्यक्षा वामा सारथी ने समापन के अवसर पर अपने सम्बोधन में प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वामा खेलोत्सव केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि पुलिस परिवारों के बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और सपनों को नई उड़ान देने का उत्सव है। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी लगन, संघर्ष, टीम भावना और हार न मानने के जज्बे का शानदार परिचय दिया। महान बास्केटबॉल खिलाड़ी माइकल जॉर्डन का उदाहरण देते हुए उन्होंने उनके प्रसिद्ध कथन का उल्लेख किया कि अपने करियर में उन्होंने 9,000 से अधिक शॉट्स मिस किए, 300 से अधिक मैच हारे और 26 बार निर्णायक शॉट लगाने में असफल रहे, लेकिन बार-बार मिली इन्हीं असफलताओं ने उन्हें सफलता तक पहुँचाया। श्रीमती सिंह ने कहा कि खेल हमें केवल जीतना नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य और असफलताओं से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। पदक जीतना महत्वपूर्ण है, लेकिन हर प्रतियोगिता से कुछ सीखकर स्वयं को बेहतर बनाना ही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

श्रीमती सिंह ने प्रतियोगिताओं में बालिकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की विशेष सराहना करते हुए कहा कि बेटियों को समान अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर वे खेल सहित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकती हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि 12वीं एवं 25वीं वाहिनी पीएसी से केवल बालिकाओं ने प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि वामा सारथी का उद्देश्य पुलिस परिवारों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें उचित अवसर उपलब्ध कराना और आगे बढ़ने का विश्वास देना है। इसी संकल्प के साथ संस्था ने पिछले एक वर्ष में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण पहल की हैं।

श्रीमती सिंह ने सभी विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि जिन बच्चों को इस बार पदक नहीं मिले, उनका प्रयास और परिश्रम भी उतना ही सराहनीय है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि खेलों में भागीदारी, अपनी क्षमताओं को पहचानने और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वामा सारथी का सपना है कि आज इन खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले बच्चे भविष्य में ओलंपिक के पोडियम तक पहुँचें। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलोत्सव में भाग लेने वाला प्रत्येक बच्चा अपने आप में एक चैंपियन है। खेलोत्सव का समापन बच्चों के सपनों की यात्रा का अंत नहीं, बल्कि नई ऊँचाइयों की ओर उनके सफर की शुरुआत है।

समापन समारोह की प्रमुख गतिविधियाँ एवं पुरस्कार वितरण

समापन समारोह का शुभारंभ विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ, जिसमें बुंदेलखंड का पारंपरिक दीवारी लोकनृत्य (पाई डंडा), बैंड प्रदर्शन तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे।

समापन समारोह में स्वागत उद्बोधन डॉ चारू गाबा सचिव वामा सारथी द्वारा किया गया एवं डॉ. सृष्टि धवन, अध्यक्ष, स्पोर्ट्स वर्टिकल, वामा सारथी द्वारा राज्य स्तरीय 'वामा खेलोत्सव-2026' की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में पदक एवं विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 35वीं वाहिनी पीएसी के 15 वर्षीय सुयश पंकज ने 100 मीटर दौड़ को मात्र 11.32 सेकंड में पूरा कर 'फास्टेस्ट रनर' का खिताब अपने नाम किया।

इसके अतिरिक्त विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों तथा विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया।

प्रमुख पुरस्कार प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का विवरण निम्नवत है—

वामा खेलोत्सव-2026 के प्रमुख पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

1.वामा कप-2026 – दिव्यांश (जनपद आगरा): लंबी कूद एवं शॉट पुट में स्वर्ण तथा 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक।

2.बेस्ट एथलीट (बालक, 12–15 वर्ष) – प्रिंस (कमिश्नरेट गाजियाबाद): जैवलिन थ्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन।

3.बेस्ट एथलीट (बालिका, 12–15 वर्ष) – वैष्णवी यादव (कमिश्नरेट लखनऊ): लंबी कूद, जैवलिन थ्रो एवं शॉट पुट में स्वर्ण पदक।

4.बेस्ट एथलीट (बालिका, 15–18 वर्ष) – अंशिका यादव (कमिश्नरेट लखनऊ): लंबी कूद एवं 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक।

5.बेस्ट एथलीट (बालक, 15–18 वर्ष) – रुद्रांश (कमिश्नरेट लखनऊ): जैवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक।

6.बास्केटबॉल विजेता ट्रॉफी (बालिका, 15–18 वर्ष): कमिश्नरेट लखनऊ।

7.वॉलीबॉल विजेता ट्रॉफी (आयु वर्ग 12–15 वर्ष): जनपद मथुरा।

8.ओवरऑल चैंपियन जोन: पीएसी मध्य जोन।

प्रतियोगिता में अन्य विजेता प्रथम पुरस्कार।

1-4X200 मीटर रिले (बालक 15 वर्ष 18) जनपद मथुरा-01 मिनट 45 सेकेण्ड।

2-4 X50 मीटर रिले (बालक 12 वर्ष 15) जनपद बहराइच- 27.88 सेकेण्ड।

3-4 X100 मीटर रिले (बालक 15 वर्ष 18) कमिश्नरेट आगरा-51.92 सेकेण्ड।

4-4 X50 मीटर रिले (बालिका 12 वर्ष 15) जनपद पीलीभीत- 34.44 सेकेण्ड।

5-4 X100 मीटर रिले (बालिका 15 वर्ष 18) जनपद मथुरा-01 मिनट 09 सेकेण्ड।

6-वालीबाल विजेता ट्राफी (बालिका 12 से 15 वर्ष) कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

7-बॉस्केट बाल विजेता ट्राफी (बालिका 15 से 18 वर्ष)-कमिश्नरेट लखनऊ।

8-वालीबाल विजेता ट्राफी (बालक 12 से 15 वर्ष) जनपद मथुरा।

9-वालीबाल विजेता ट्राफी (बालक 15 से 18 वर्ष) 32 वीं वाहिनी पीएसी।

10-बॉस्केट बाल विजेता ट्राफी (बालक 15 से 18 वर्ष)-35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ।

11-रमन-कमिश्नरेट गाजियाबाद ऊँची कूद- 1.45 मीटर।

12-रत्नेश प्रकाश सिंह कुशवाहा-सुलतानपुर-डिस्कस थ्रो-23.51 मीटर।

13-ग्रन्थ-जनपद मथुरा-शार्ट पुट-10.34 मीटर।

14-विशाल-जनपद मेरठ-800 मीटर दौड़-2:22 मिनट एवं 100 मीटर हर्डल 16:95 सेकेण्ड।

15-पीयूष पाल-जनपद बहराइच -50 मीटर दौड़- 6.44 सेकेण्ड।

16-अंशिका-जनपद गाजीपुर-डिस्कस थ्रो-14.87 मीटर।

17-अलीजा परवीन-कमिश्नरेट लखनऊ शॉट पुट-7.19 मीटर।

18-शालिनी-25 वीं वाहिनी पीएसी-800 मीटर दौड़-03 मिनट 22 सेकेण्ड।

19-रिया-25 वीं वाहिनी पीएसी-200 मीटर दौड़-34.15 सेकेण्ड।

20-आचल-32 वीं वाहिनी पीएसी जेबलिन थ्रो-18.57 मीटर।

21 पावनी-जनपद अलीगढ़-50 मीटर दौड़-7.81 सेकेण्ड।

22-मुस्कान शर्मा-35वीं वाहिनी पीएसी शार्ट पुट-07 मीटर।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले कुशल खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान पुलिस मॉडर्न स्कूल, गोमतीनगर द्वारा योग एवं ह्यूमन पिरामिड का प्रदर्शन तथा मलखंभ की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस विश्व का सबसे बड़ा पुलिस बल होने के साथ-साथ सबसे बड़ा पुलिस परिवार भी है, जिसके कल्याणकारी कार्यों में वामा सारथी की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है।

बच्चों की शिक्षा, खेलकूद एवं कौशल विकास के लिए वामा सारथी द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं तथा आज का यह आयोजन बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए अनुशासन, निरंतर परिश्रम एवं पूर्ण समर्पण के साथ प्रयास करना चाहिए। सचिन तेंदुलकर और बॉक्सर मोहम्मद अली जैसे महान खिलाड़ियों का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सफलता के लिए लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प एवं कठिन परिश्रम आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जीवन में असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर पुनः प्रयास करना चाहिए, क्योंकि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। यही खेल भावना जीवन में सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र है। वामा सारथी द्वारा प्रदेश की विभिन्न पुलिस इकाइयों के बच्चों को खेलों के माध्यम से एक मंच पर लाने की यह प्रथम पहल सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी वर्षों में इस आयोजन में और अधिक बच्चे प्रतिभाग करेंगे।

पुलिस परिवार के प्रतिभावान बच्चों को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा शीघ्र ही विशेष योजना तैयार कर बेहतर प्रशिक्षण एवं कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी।

इसके साथ ही पुलिस परिवार में उपलब्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों तथा अनुभवी प्रशिक्षकों के अनुभवों का लाभ बच्चों को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर सकें।

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस का प्रयास है कि पुलिस परिवार के बच्चे अपनी प्रतिभा एवं उपलब्धियों से प्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम में डॉ. सृष्टि धवन राठौर, अध्यक्ष, स्पोर्ट्स वर्टिकल, वामा सारथी; डॉ. चारु गाबा, सचिव, वामा सारथी; श्रीमती आकांक्षा सिंह, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार कल्याण शिक्षा समिति; श्रीमती पुनीता सिंह, श्रीमती श्वेता सेंगर, श्रीमती चेतना गुप्ता, श्रीमती बृजरानी स्वर्णकार, डा0 प्रीतिन्द्रर सिंह आई0जी0पीएसी मध्य जोन/सचिव उ0प्र0पु0 स्पोर्ट कन्ट्रोल बोर्ड, श्री के0एस0इमैन्युअल जीएसओ टू डीजीपी तथा सेनानायक 35वीं वाहिनी पीएसी श्री अमित कुमार सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, वामा सारथी के पदाधिकारी, पुलिस परिवारों के सदस्य, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।